विधायक नरेन्द्र बुडानियां के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ता एकजुट हुए

तारानगर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस में दो फाड़ सामने आई

तारानगर, (निसं)। तारानगर में रविवार को कांग्रेस दो भार्गां में दिखाई दी, तो वहीं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने वर्तमान कांग्रेस विधायक नरेन्द्र बुडानियां के खिलाफ एकता का प्रदर्शन कर हजारों की संख्या में तारानगर मुख्य बाजार स्थित गढ़ के आगे पहुंच कर शक्ति का प्रदर्शन किया। तारानगर विधानसभा से स्थानीय व्यक्ति को कांग्रेस की टिकिट मिले की मांग को लेकर गढ परिसर के आगे कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन की अध्यक्षता वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मनफूल कस्वां ने की तो मुख्य अतिथि जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व महामंत्री बनवारीलाल सुणीयां थे।

सम्मेलन में आये हुए कांग्रेसी कार्यकर्ताओं व आमजन को सम्बोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेसी कमेटी के चिकित्सा प्रकोष्ठ के सह संयोजक डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि क्या तारानगर विधानसभा की भूमि पर ऐसा कोई व्यक्ति पैदा नहीं हुआ जो तारानगर का विधायक बन सके? अब आने वाले समय में तारानगर का निवासी ही विधायक बनेगा यह आज यहां की जनता ने तय कर लिया है। वर्षो से तारानगर की जनता व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्थानीय व्यक्ति को उम्मीदवार बनाये जाने की मांग रखी लेकिन इस बार तारानगर की जनता ने एक ही मानस बना लिया है कि अभी नहीं तो कभी नहीं।

सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए खादी एवं ग्रोमोद्योग बोर्ड महासचिव महासिंह सिहाग ने वर्तमान विधायक पर आरोप लगाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विकास की गंगा की धारा तारानगर की ओर भी भेजी लेकिन यहां पर विधायक बुडानियां के कारण वो धारा भ्रष्टाचार, बेईमानी, दलाली, कमिशनखोरी के नीचे दब कर रह गई। सिहाग ने बताया

- **‘अब आने वाले समय में तारानगर का निवासी ही विधायक बनेगा यह आज यहां की जनता ने तय कर लिया है’**

कि राज्य सरकार की ओर से प्रत्येक विधानसभा के विकास कार्यो के लिये 500 करोड़ रूपये खर्च करने की अनुमती मिली थी लेकिन विधायक बुडानियां ने किसी प्रकार की योजना बनाकर मुख्यमंत्री गहलोत को नहीं भेजी। जबकि विधायक बुडानियां को विधायक निधि में प्रतिवर्ष 5 करोड़ रूपये मिलते है लेकिन केवल 31 प्रतिशन राशि ही खर्च हुए बाकी राशि खर्च ही नहीं हो पाई। सिहाग ने कहा कि बुडानियां ने सिर्फ झूठी वाहवाही लूटने का काम किया, निष्ठावान कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर दिया, यदि उनसे कोई सवाल पूछे तो उनपर एफआईआर दर्ज करवा दी जाती है।

सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए धीरवास परिवार से कांग्रसी नेता व पूर्व जिला परिषद सदस्य नरेश सहारण ने कहा कि धीरवास परिवार ने हमेशा तारानगर तहसील की सेवा की है और आगे भी सेवा करेगा, आज हम सब ने यह तय किया है कि तारानगर का विधायक स्थानीय व्यक्ति ही हो। सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष नरेन्द्र दूत ने कहा कि विधायक नरेन्द्र बुडानियां ने किसानों को झूठे सब्जबाग दिखाए, झूठे आश्वासन दिये, नहर का रकबा नहीं बढाया और पूरी तरह से किसानों के हितों को दरकिनार किया है। सम्मेलन को पूर्व पीसीसी सदस्य व कांग्रेसी कमेटी शहर अध्यक्ष पुष्करदत्त इन्दौरिया, पूर्व कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष च्यानणमल गोदारा, पूर्व प्रधान जयसिंह मेघवाल, बाबुखां भालेरी, काशीराम सोलंकी, युवा कांग्रेसी नेता मनोज लाटा, जयदेव सहारण धीरवास ने सम्बोधित किया।

कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष मनीराम व्यास, तारानगर कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष शिवभगवान जोशी, थानाराम सैनी, इदरीस बिसायती, सुमेर सैनी, अनिल शर्मा मेडिकल, मुस्लिम कमेटी सदर आमीन भट्टी, निर्मल दुदानी, शम्भूदयाल कन्दोई, प्रेम बेनीवाल, पूर्व चेयरमैन याकुब भुट्टा, अफजल तेली, जगदीश भार्गव, गोविन्द शर्मा गिल, रतनपुरा सरपंच मुकेश शर्मा, पूर्व सरपचं खरतवासीया भानीराम , अलायला पूर्व सरपंच धर्मपाल सहारण, नायक समाज अध्यक्ष राजेन्द्र डगला, सन्तोष पाण्डिया, सुरजीत वर्मा, हुकमाराम मेहरासर उपाधियान सहित हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

‘राज्य में कानून व्यवस्था लचर, विधायक भी सुरक्षित नहीं’

श्रीगंगानगर, (निसं)। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा है कि प्रदेश में कानून व्यवस्था लचर है। आम आदमी तो क्या तो विधायक तक भी सुरक्षित नहीं है। वे रविवार को भाजपा जिलाध्यक्ष शरणपाल सिंह के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने आए थे। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि प्रदेश में जो हालात हैं, उसके बारे में हम कुछ गलत नहीं कह रहे हैं, खुद सरकार के मंत्री ही और विधायक ही इस पर सवाल उठा रहे हैं।

उन्होंने ओसियां से विधायक दिव्या मदेरणा का जिक्र करते हुए कहा कि दिव्या मदेरणा ने विधानसभा में ही कह दिया कि उसके दोनों ओर दो गनमैन रहते हैं, इसके बावजूद वे सुरक्षित नहीं है। ऐसे में सरकार के विधायक और मंत्री ही सरकार की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में महिलाएं भी सुरक्षित नहीं है, अन्य कोई भी सुरक्षित नहीं है।

इससे पहले भाजपा जिलाध्यक्ष शरणपालसिंह के पदभार ग्रहण समारोह में संबोधित करते हुए उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी कौशांबी की महिला दुर्गा के बारे में बताते हुए कहा कि भारतीय

- **केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल भाजपा जिलाध्यक्ष शरणपाल सिंह के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुये**
- **‘प्रदेश में जो हालात हैं, उसके बारे में हम कुछ गलत नहीं कह रहे हैं’**

स्वतंत्रता संग्राम में कई ऐसे लोग हैं, जिनके बारे में लोगों को बहुत कम जानकारी है।

उन्होंने गुरुनानक देव के कपिल मुनि की तपोभूमि कोलायत प्रवास के दौरान हुए प्रसंग के बारे में बताया। उन्होंने एक भजन सुनाते हुए जिलाध्यक्ष शरणपालसिंह से कहा कि आपके पदभार ग्रहण समारोह में ही गुरुनानक देव और सिख गुरुओं की बात हुई है। ऐसे में आप निश्चिंत होकर काम करें। आपका कार्यकाल लंबा चलेगा। पदभार ग्रहण समारोह में संबोधित करते हुए भाजपा एससी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने कहा कि पार्टी ने दायित्व बदला है लेकिन जिम्मेदारी हर कार्यकर्ता की है। हर कार्यकर्ता को प्रयास कर पार्टी को आगे ले जाना है।

जिलाध्यक्ष शरणपालसिंह ने कहा कि पार्टी ने उन्हें इस जिम्मेदारी के लायक समझा यह हर कार्यकर्ता का सम्मान है। कार्यकर्ता अगर मन से पार्टी के लिए काम करेगा तो पार्टी उसे आगे जरूर बढ़ाएगी। निवर्तमान जिलाध्यक्ष आत्माराम तरड़ ने अपने कार्यकाल के अनुभव और कार्यकर्ताओं के सहयोग के बारे में बताया।

वक्ताओं ने कहा कि नवनियुक्त जिलाध्यक्ष शरणपाल सिंह को पार्टी ने जिम्मेदारी दी है और सभी कार्यकर्ता उनके साथ लगकर प्रदेश से मिलने वाले सभी कार्यक्रमों का सही तरीके से क्रियान्वयन करेंगे। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री सुरेंद्रपालसिंह टीटी, विधायक संतोष बावरी, बलवीर लूथरा, पूर्व विधायक अशोक नागपाल, डॉ.ओपी महेंद्रा, गुरजंटसिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष महेंद्रसिंह सोढ़ी, बहादरचंद नारंग, जिला महामंत्री प्रदीप धेरड़, महिला मोर्चा की विनीता आहूजा, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के रमजान अली चोपदार सहित कई वक्ताओं ने संबोधित किया।

3360 लीटर डीजल के साथ एक युवक गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के लालगढ़ जाटान थाना क्षेत्र में सीओ ग्रामीण और उनकी टीम ने एक व्यक्ति को 3360 लीटर डीजल के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी यह डीजल पंजाब से लेकर आ रहा था। पुलिस को इसकी जानकारी मिलने पर इस रोड पर जीप को रोक लिया गया। पुलिस को देखकर ड्राइवर घबरा गया और जीप में लदे डीजल के बारे में कोई जवाब नहीं दे पाया। इस पर उससे थाने लाकर पूछताछ शुरू की गई है।

सीओ ग्रामीण अमरजीत चावला को इलाके में डीजल की तस्करी होने की सूचना मिली थी। पंजाब से भारी

- **अवैध रूप से पंजाब से ला रहा था, सूरतगढ़ का रहने वाला है ड्राइवर**

मात्रा में डीजल लाने का पता लगने पर उन्होंने इस बारे में जानकारियां जुटाई। इस दौरान एक व्यक्ति के ड्रमों में डीजल भरकर पंजाब से लालगढ़ जाटान होते हुए श्रीगंगानगर में प्रवेश करने का पता लगा। पुलिस ने बनवाली रोड पर जाब्ता लगाया और आरोपी को जीप सहित धर दबोचा। आरोपी पुलिस को देखते ही घबरा गया। जब उससे इस बारे में जानकारी चाही तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका।

उसने पुलिस को बताया कि वह यह डीजल पंजाब से भरकर लाया है। उसके इसे बेचने अथवा खेतों में उपयोग करने के बारे में अब तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपी रमेश कुमार पुत्र मेघाराम सूरतगढ़ सदर थाना क्षेत्र के चक सात एसजीआरबी का रहने वाला है। श्रीगंगानगर के मुकाबले पंजाब में डीजल और पेट्रोल करीब दस रुपए सस्ता होने और पंजाब से श्रीगंगानगर की दूरी महज साता किलोमीटर होने के कारण पंजाब से बड़ी मात्रा में इलाके में डीजल की तस्करी होती है।

महिला से मारपीट, केस दर्ज

भीलवाड़ा, (निसं)। ज़िले के शंभुगढ़ थाना क्षेत्र में कुछ लोगों द्वारा दंपती से अभद्रता कर मारपीट और परेशान करने के मामले में समझौते के लिए देवस्थल पर जमा लोगों में से कुछ लोगों ने महिला से मारपीट कर दी। इसे लेकर पुलिस ने केस दर्ज किया है। शंभुगढ़ पुलिस ने बताया कि गणेशपुरा, शंभुगढ़ निवासी रूकमा पत्नी शंकरलाल बागरिया ने छगनलाल पुत्र लाल बागरिया निवासी बेरण, देबीलाल पुत्र तुलसीराम बागरिया शम्भूगढ, अम्बालाल पुत्र दोला बागरिया मालासेरी, हरदेव पुत्र अम्बालाल बागरिया मालासेरी, मेवा पुत्र अम्बालाल बागरिया मालासेरी, पारसी देवी पत्नी मेवाराम बागरिया, कैलाशी देवी पत्नी हरदेव बागरिया, शान्ति देवी पत्नी छगनलाल बागरिया बेरण, सीमा देवी पत्नी देवीलाल बागरिया, मोहनी देवी पत्नी देबीलाल बागरिया निवासी शम्भूगढ़ के खिलाफ रिपोर्ट दी।

बुजुर्ग के हत्यारों का सात दिन बाद भी नहीं लगा सुराग

सुरास गांव में लूट के दौरान एक बुजुर्ग की मौत का मामला

भीलवाड़ा, (निसं)। ज़िले के रायपुर थाना क्षेत्र के सुरास गांव में लूट के दौरान एक बुजुर्ग की विगत रविवार-सोमवार की मध्य रात्रि को हत्या कर उनकी पत्नी को घायल कर दिया था। बढ़ती वारदातों से गुस्साये ग्रामीण कातिलों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर स्टेट हाइवे 76 पर जाम लगाकर धरने पर बैठ गए थे। जाम और प्रदर्शन 36 घंटे चला।

इसके बाद पुलिस अधीक्षक आदर्श सिद्धू की समझाइश पर ग्रामीण शव का पोस्टमार्टम कराने और शव लेने के लिए राजी हुए। इसके साथ ही स्टेट हाईवे पर लगा जाम खोल दिया गया था। 36 घंटे से चल रहा प्रदर्शन भी समाप्त हो गया। मौके पर पुलिस के आला अधिकारियों के साथ ही पांच थानों का पुलिस जाब्ता तैनात रहा। अब इस घटना को सात दिन का वक्त बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ ख़ाली है। पुलिस आरोपियों का कोई सुराग नहीं लगा पाई है।

जानकारी के अनुसार सुरास निवासी प्यारचंद पुत्र छोगा कुमावत व उनकी पत्नी अणछी देवी मकान में अकेले ही निवास करते हैं। उनके दो बेटे हैं, जो अहमदाबाद में रहकर मजदूरी करते हैं। 16 जुलाई की रात रोजाना की तरह प्यारचंद बरामदे में जबकि पत्नी अणछी कमरे में सो रही थी। घर के दरवाजे अंदर से बंद थे। रात एक से दो बजे के बीच बदमाशों ने पीछे का दरवाजा तोड़कर मकान में प्रवेश किया। इन बदमाशों ने प्यारचंद पर हथौड़े जैसे हथियार से हमला किया, जिससे सिर में गंभीर चोट आई। मौके पर ही प्यारचंद की मौत हो गई। तीन बदमाश उस कमरे में घुसे जहां अणछी सो रही थी।

बदमाशों ने अणछी की झुमकियों को खींच कान तोड़ दिये। गले से रामनामी व मांदलिया छीन लिया और मारपीट की, जिससे वह घायल हो गई। बदमाशों ने आलमारी से भी जेवरात और रुपये लूट लिये। अणछी को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इस संबंध में मृतक के भतीजे की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया।

उधर, रायपुर इलाके में बढ़ती वारदातों से गुस्साये ग्रामीणों ने कातिलों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए सोमवार सुबह रायपुर में स्टेट हाइवे 76 पर जाम लगा दिया था और धरने पर बैठ गए थे। मंगलवार को 36 घंटे बाद पुलिस अधीक्षक आदर्श सिद्धू द्वारा ग्रामीणों के साथ समझाइश पर ग्रामीण व परिजन सहमत हुए। शव का पोस्टमार्टम हुआ। शव अंतिम संस्कार किया गया था। अब तक कातिलों का कोई पुख्ता सुराग पुलिस के हाथ नहीं लग पाया है।

एक माह पूर्व बनी आर.सी.सी. सड़क में आई बड़ी दरारें

श्रीगगानगर, (निसं)। जिले के घमंडिया गांव में एक माह पूर्व बनी आरसीसी सड़क में जगह-जगह दरारें आ जाने पर ग्रामीणों ने ठेकेदार पर लापरवाही व घटिया सामग्री बरतने का आरोप लगाते हुए साइड पटड़े का काम रुकवा दिया। आरसीसी सड़क के निर्माण हुए महज एक माह हुआ है कि सड़क जगह जगह से टूटनी शुरू हो गई है।

वहीं, ठेकेदार द्वारा आरसीसी सड़क के साइड का पटड़ा बाधने के लिए मिट्टी युक्त पत्थर डालना शुरू किया तो ग्रामीणों ने स्थानीय सरपंच रामकुमार गोदारा को बुलाकर पटड़ा बांधने का काम रुकवा दिया। सरपंच गोदारा, भूपसिंह जाखड़, मदन जाखड़, पाला बिश्नोई, राजू मूंड, सेठी बेनीवाल, मांगीलाल बेनीवाल, महेंद्र गीला व साहबराम जाखड़ ने बताया कि ठेकेदार ने आरसीसी रोड में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया है।

आरसीसी सड़क की तराई भी नहीं हुई जिससे सड़क से बजरी, सीमेंट आदि सामग्री उखड़ने लगी है। ग्रामीणों ने बताया कि 10-10 फीट की दूरी बड़ी-बड़ी दरारें आ गई हैं। ग्रामीणों ने पीडब्लूयूडी विभाग के एईएन पर आरोप लगाते हुए कहा कि दूरभाष पर शिकायत की परंतु कोई सुध नहीं ली। ग्रामीणों के रोष के चलते शाम को पीडब्लूयूडी सूरतगढ़ के एईएन व जेईएन आरसीसी सड़क का जायजा लेने पहुंचे। ग्रामीणों के बीच एईएन ने साइड पटड़े पर डाला जा रहा मिट्टी युक्त पत्थर को अस्वीकार किया। संजय अग्रवाल, एक्सईएन पीडब्लूयूडी का कहना है कि मिट्टी का उपयोग अधिक है जिसे हटाकर पीली बजरी का पटड़ा तैयार करवाएंगे। वहीं, सड़क में आई दरारों में डामर भरने का आश्वासन दिया है। आरसीसी सड़क के घटिया निर्माण की एईएन व जेईएन को भेजकर जांच करवा लेते हैं।

तस्करी के आरोप में दो गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। नशीला पदार्थ मैफेड्रोन (एमडी) की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किए गए दोनों युवकों को कोतवाली पुलिस ने अदालत में पेशकर तीन दिन के रिमांड पर लिया है। जांच अधिकारी कोतवाल देवेंद्र राठौड़ ने बताया कि आरोपी प्रवीण चौधरी और सन्नी गोस्वामी को 285 ग्राम एमडी तथा 5 जिंदा कारतूस के साथ पकड़ा था। दोनों युवक पैसे लेकर तस्करी करने को यहां तक पहुंचे थे। इस नशे की मात्रा को श्रीगंगानगर भिजवाने वाला और खरीदने वाले अलग लोग हैं।

उल्लेखनीय है कि पुलिस चौकी मीरा चौक के प्रभारी रामविलास बिश्नोई और उनकी टीम ने इन दोनों युवकों को पकड़ा था। ये दोनों इस 40 लाख रुपए के नशे को श्रीगंगानगर तक पहुंचाने को 50 हजार रुपए मजदूरी तय करके यहां आए थे। दोनों युवकों की आपराधिक पृष्ठभूमि का भी पता लगाया जा रहा है।

घग्घर नदी का पानी पहुंचा गांव 75 जीबी, किसानों को लाभ मिलेगा

अनूपगढ़, (निसं)। किसानों के लिए राहत भरी खबर है कि रविवार सुबह 9 बजे घग्घर नदी का पानी गांव 75 जीबी पहुंच चुका है। घग्घर नदी में पानी की आवक को देखते हुए प्रशासन के साथ किसानों ने भी तैयारियां शुरू कर दी है। प्रशासन जहां एक तरफ निरीक्षण कर बंधों को मजबूत करवाने की कार्रवाई में जुटा है, वहीं किसानों ने भी अपने स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी है। तहसीलदार राजेंद्र चौधरी ने घग्घर बहाव क्षेत्र के गांवों का दौरा कर बंधों की स्थिति को एक बारगी फिर निरीक्षण किया। घग्घर नदी का पानी आने से किसानों को काफी लाभ मिलेगा। हालांकि घग्घर बहाव क्षेत्र में जिन किसानों ने फसलों का बिजान किया गया है। उन किसानों की फसलें भी जलमग्न हो जाएगी।

तहसीलदार चौधरी ने बताया कि सभी बंधे मजबूत करवाए जा रहे है। प्रशासन की तरफ से घग्घर नदी में पानी की आवक को देखते हुए लगातार नजर रखी जा रही है। जेसीबी मशीन व काश्तकारों की सहायता ली जा रही है। वहीं घग्घर नदी में पानी की आवक का बेसब्री से इंतजार कर रहे नाली बेल्ट के किसान भी नदी में पानी के आने को लेकर तैयार हो गए है। घग्घर बहाव क्षेत्र के किसान घग्घर नदी के पानी को पंखों से उठाकर अपने खेतों में डालेंगें। जिससे

- **किसानों को फसलों के बिजान में मिलेगा लाभ**

फसल के अच्छे उत्पादन की आस जगेगी। हालांकि घग्घर बहाव क्षेत्र में जिन किसानों ने फसलों का बिजान किया गया है। उन किसानों की फसलें भी जलमग्न हो जाएगी।

तहसीलदार चौधरी ने बताया कि आने वाले दिनों में घग्घर नदी में पानी के जलस्तर की मात्रा में बढ़ोतरी होने की पूरी संभावना हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार सुबह ही आवक में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पानी की आवक को लेकर जिला कलक्टर अंशदीप, उपखंड अधिकारी प्रियंका तलानियां ने घग्घर बहाव क्षेत्र के बंधों की स्थिति को देखा, जिला कलक्टर ने स्थानीय प्रशासन को निर्देश देते हुए कहा कि घग्घर नदी में आने वाले पानी के कारण किसी भी तरह की जान माल की हानि नहीं हो। इसके लिए सभी व्यवस्थाएं सही होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि इस संबंध में स्थानीय लोगों से मदद लेकर बंधों को मजबूत करने का कार्य किया जाए। वहीं पानी की आवक में बढ़ोतरी को लेकर उपखंड कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें सभी विभागों के अधिकारियों को पूरी तरह से अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए है।

किसान संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष जसवंत चंदी ने बताया कि घग्घर नदी के पानी आने से नाली बेल्ट के किसानों को लाभ मिलेगा। किसान नरमा एवं धान की फसल को सिंचाई पानी उपलब्ध हो सकेगा। वहीं नए धान की बिजाई भी हो सकेगी। उन्होंने बताया कि घग्घर नदी के पानी आने से भूजल का स्तर उपर उठेगा,जिससे जमीनी पानी की गुणवत्ता भी अच्छी होगी।

मोहर्रम पर दरगाह में 72 घंटे के लिए खुला बाबा फरीद का चिल्ला

अलम का जुलूस आज, तलवारों से खेली जाएगी हाईदौस

अजमेर, (कासं)। दरगाह परिसर स्थित बाबा फरीद का चिल्ला मुहर्रम मिनी उर्स के मौके पर परम्परागत तरीके से 72 घंटों के लिए खोल दिया गया। चिल्ला खुलने के साथ ही अकीदतमंदों की भीड़ चिल्ले की जियारत के लिए उमड़ पड़ी।

सूफी संत ख्वाजा साहब की दरगाह शरीफ में रहकर हजरत बाबा फरीद गंज शकर ने इबादत की थी। यही कारण है कि उनका चिल्ला यहां दरगाह में स्थित है, जिसे मुहर्रम की चार तारीख को 72 घंटे के लिए खोले जाने की परंपरा है। रविवार अल सुबह ख्वाजा साहब के आस्ताना खुलने के साथ ही बाबा फरीद का चिल्ला भी खोल दिया, चिल्ला खुलते ही देश के कई राज्यों से बड़ी संख्या में अकीदत के फूल पेश करने वालों का तांता लग गया। दरगाह क्षेत्र मुहर्रम की गतिविधियों से आबाद है,जहां धार्मिक परंपरा का निर्वहन हो रहा है। वहीं मुस्लिम युवक रात में हरे लिबास में ढोल ताशों के साथ मातमी धुन के साथ पैगम्बर मोहम्मद साहब के पोते इमाम हुसैन की याद को शाहदत के प्रतीक पेश कर गमगीन दिनों की याद को ताजा करते हैं।

ख्वाजा सहाब की दरगाह स्थित बाबा फरीद के चिल्ले पर लगी अकीदतमंदों की भीड़।

बाबा फरीद सर्वधर्म की मिसाल हैं। यही वजह है कि हर धर्म के लोग चिल्ले की जियारत के लिए अजमेर पहुंचते हैं। बाबा फरीद का जन्म पंजाब में हुआ, उनका सम्पूर्ण ज्ञान पंजाबी भाषा में ही प्रचारित हुआ। इसके चलते बाबा हर धर्म में लोक प्रिय हुए। सिक्खों के पवित्र गुरुग्रंथ साहिब में सिक्ख गुरुओं ने बाबा के कलामों को शामिल किया है। गुरुद्वारों में गुरुग्रंथ साहिब का जब भी पाठ होता है, तो ग्रंथियों द्वारा बाबा द्वारा लिखे कलाम बड़ी श्रद्धापूर्वक सुनाए जाते हैं, भारतीय संस्कृति में धार्मिक सहिष्णुता का यह सबसे बड़ा उदाहरण कहा जा सकता है।

पाक पटन में है दरगाह :- पाक पट्टन में बाबा फरीद की दरगाह है, जहां मुहर्रम की पांच तारीख को उर्स मनाया जाता है। उर्स में दूर दराज के जायरीन पहुंचते हैं, जो लोग पट्टन नहीं जा पाते, वे मुहर्रम के मौके पर गरीब नवाज की दरगाह पहुंच कर चिल्ले की जियारत करते हैं। यहां आने वालों में पंजाबी जायरीन की तादाद खासी रहती है। न सिर्फ मुहर्रम बल्कि सामान्य दिनों में भी पंजाबी जायरीन ख्वाजा साहब की मजार पर चादर फूल पेश करने के बाद बाहर से ही चिल्ले की जियारत कर मनौती मांगते हैं। मुहर्रम के मौके पर बाबा फरीद का चिल्ला 72 घंटे के लिए खोला जाता है।

तलवारों से खेलेंगे हाईदौस:- मुहर्रम के मौके पर 25 जुलाई को ख्वाजा गरीब नवाज की महाना छठी भी मनाई जाएगी। 28 जुलाई को जुम्मे की नमाज होगी और 29 जुलाई को ताजिये की सवारी से पहले दरगाह ढाई दिन के झौपड़े अंदर कोटियान पंचायत की सदारत में नंगी तलवारों से हाईदौस खेला जाएगा। इस्लामिक कैलेंडर की दस तारीख को ताजिये की सवारी निकाली जाएगी जो सुबह पांच बजे दरगाह के पीछे झालरे में सैराब होगी। मुहर्रम की 9 व 10 तारीख को दरगाह क्षेत्र स्थित अंदरकोट में तलवारों से हाईदौस खेलने की परम्परा है। हाईदौस अजमेर के अलावा पाकिस्तान के लाहौर में खेला जाता है। इसके लिए दी पंचायत अंदरकोटियान को जिला प्रशासन से इजाजत लेनी पड़ती है।

मुहर्रम के दौरान चांद की 12 तारीख तक ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह में कव्वालियों का दौर थमा रहेगा। इस दौरान केवल कड़क्का होगा। सात मुहर्रम को शाम 5 बजे से ताजिया शरीफ पर मेहंदी पेश की जाएगी, नौ मुहर्रम को सुबह 10 बजे ताजिया शरीफ की सवारी इमामबाड़ा पहुंचेगी, दस मुहर्रम को रात्रि 10 बजे ताजिया शरीफ की सवारी इमामबाड़ा से सोलहखंभा गेट पहुंचेगी। छतरी गेट से जनाजा शरीफ की सवारी शर्की गेट होते हुए मुतवल्ली की हवेली पहुंचेगी, सुबह 5 बजे ताजिया को झालरे में सैराब किया जाएगा।

प्रकृति प्रेमियों ने पानरवा का नैसर्गिक सौंदर्य निहारा

उदयपुर, (कासं)। वन विभाग की ओर से इको ट्यूरिज्म को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दक्षिणी राजस्थान के ख्याति प्राप्त प्राकृतिक पर्यटक स्थलों का वन भ्रमण कार्यक्रम रविवार से शुरू हुआ। पहले दिन प्रकृति प्रेमियों को कोटड़ा क्षेत्र में पानरवा स्थित फुलवारी की नाल वन्यजीव अभ्यारण्य का भ्रमण कराया गया। हरियाली से आच्छादित अरावली की पहाड़ियों और प्राकृतिक जलप्रतापों को देखकर प्रकृति प्रेमी रोमांचित हो उठे।

इको ट्यूरिज्म की शुरूआत रविवार सुबह वन विभाग कार्यालय के बाहर उप वन संरक्षक (वन्यजीव) अरूणकुमार डी एवं उप वन संरक्षक यादवेंद्रसिंह की उपस्थिति में हुई। उन्होंने वन भ्रमण के लिए जा रहे करीब दो दर्जन से अधिक पर्यटकों को शुभकामनाएं दी। एसीएफ दिनेश गोढवाल भी मौजूद रहे। इसके पश्चात दो वातानुकूलित वाहनों से दल पानरवा के लिए रवाना हुआ।

मार्ग में नाल साण्डोल स्थित इको ट्यूरिज्म स्पॉट का भी लुत्फ लिया। यहां लबालब भरे एनीकट की रपट पर चलती पानी चादर और हरी-भरी पहाड़ियों के बीच कल-कल कर बहती जलराशि देखकर आनंदित हो उठे। इसके पश्चात दल आमलेटा घाटी पर पहुंचा। वहां पहाड़ियों के बीच सर्पिली सड़क से गुजरते समय भी पर्यटकों का उत्साह चरम पर रहा। पानरवा पहुंचने

- **फुलवारी की नाल वन्यजीव अभ्यारण्य में कठावली झेर पर की ट्रेकिंग**
- **दुर्लभ वनस्पति और प्राचीन कंदराएं देख हुए रोमांचित**
- **वन विभाग की ओर से वन भ्रमण कार्यक्रम की शुरूआत**

के बाद दल ने पर्यावरणविद् शरद अग्रवाल, विनय दवे तथा फोरेस्ट गार्डस् के सान्निध्य में कठावली झेर पर ट्रेकिंग की। चहुंओर हरियाली से आच्छादित पहाड़ियां और उनके बीच बहते झरनों से प्रकृति प्रेमियों के मन गद्गद् हो उठे। ट्रेकिंग के दौरान पर्यावरणविद् अग्रवाल और दवे ने कई तरह की दुर्लभ वनस्पति तथा पक्षियों से रूबरू कराया। पहाड़ी पर स्थित प्राचीन कंदराएं देखकर सभी अभिभूत हो उठे।

महराबनुमा कंदराओं के संबंध में दवे ने बताया कि पहाड़ी में लाइन स्टोन (चुना) की अधिकता के बाहर पानी के साथ यह आकार ले लेती हैं। ट्रेकिंग के पश्चात दल वन विभाग के विश्रान्ति गृह पहुंचा। वहां दुर्लभ ऑर्किड वनस्पति के उद्यान का अवलोकन किया। वहीं बाद में खाचण गांव के समीप वाकल नदी के आसपास की प्राकृतिक वातावरण का भी लुत्फ उठाया।

उप वन संरक्षक ने बताया कि वन भ्रमण की अगली कड़ी में 29 जुलाई को गोरम घाट क्षेत्र का भ्रमण कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि इको ट्यूरिज्म स्थल फुलवारी की नाल अभयारण्य के पानरवा, रावली टाडगढ़ अभयारण के दूधलेश्वर, गोरमघाट व भीलबेरी वाटर फॉल, बस्सी अभयारण्य व सीतामाता अभ्यारण्य के आरामपुरा व जाखम बांध के लिए 1700-1700 रुपये, कुभलगढ़ अभयारण्य के कुंभलगढ़ व रणकपुर के लिए 1600-1600 रुपये, जयसमंद अभयारण्य के झूमर बावड़ी व बाघदर्रा के क्रोकोडाइल कंजर्वेशन रिजर्व के लिए 1500 तथा जवाई बांध के लेपर्ड कंजर्वेशन रिजर्व के लिए 2200 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। इसमें वातानुकुलित वाहन से परिवहन, प्रात: चाय नाश्ता, दिन का भोजन, शाम की चाय, अभयारण्य प्रवेश शुल्क, टॉलटैक्स, इको गाईड चार्ज, इको स्थल के साफ-सफाई का चार्ज एवं समस्त कर शामिल हैं। डीएफओ ने बताया कि विभिन्न स्थलों पर भ्रमण विशेषज्ञ गाईड की उपस्थिति में वन विभाग के सहयोग से आयोजित किये जाएंगे।